भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 500

उत्तर देने की तारीख 20 जुलाई, 2016

29 आषाढ़, 1938 (शक)

महिलाओं में खेलकूद को प्रोत्साहन

500. श्री दुष्यंत चौटालाः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति-2014 के तहत, विशेषरूप से महिलाओं के लिए, खेल-कूद को प्रोत्साहित करने के लिए कोई योजना शुरू की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा क्या विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में बालिकाओं के लिए खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए ऐसी योजनाएं चलायी जा रही हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा देश में महिलाओं के बीच खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए कितनी राशि आवंटित की गई है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री विजय गोयल)

(क) से (ग) : जी हां। राष्ट्रीय युवा नीति 2014 के मुख्य प्राथमिकता क्षेत्रों में से एक 'खेलों का संवर्धन' है जिसका उद्देश्य 'एक ऐसी सशक्त और स्वस्थ पीढ़ी का विकास करना है जो भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो।' इस मंत्रालय के अंतर्गत खेल विभाग, 3 पूर्ववर्ती स्कीमों नामत: राजीव गांधी खेल अभियान, शहरी खेल अवसंरचना स्कीम और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज स्कीम का विलय कर 'खेलो इंडिया-खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' कार्यान्वित कर रहा है। इस स्कीम में खेल अवसंरचना का सृजन, खेल प्रतिभा की पहचान और वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सम्मिलित है। यह स्कीम समस्त जनसंख्या अर्थात पुरूषों और महिलाओं, दोनों के लिए है और इसमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्र सम्मिलित हैं। ब्लाक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में लड़के और लड़कियां दोनों भाग लेते हैं। खेल विभाग की अन्य स्कीमें भी पुरूषों और महिलाओं, दोनों के लिए समान रूप से उपलब्ध हैं। देश में खेलों के संवर्धन के लिए आबंटित निधियां संयुक्त रूप से पुरूषों और महिलाओं दोनों के लिए हैं। इसके अलावा, युवा कार्यक्रम विभाग के तहत नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)

भी इससे सम्बद्ध युवा क्लबों को खेल सामग्री उपलब्ध करा कर और ब्लाक और जिला स्तर पर अंतर युवा क्लब खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए सहायता देकर खेलों को बढ़ावा दे रहा है। ये स्कीमें भी पुरूषों और महिलाओं के लिए समान रूप से उपलब्ध हैं।

*****